**A–1228**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# BASL (N)–121

## (वैदिक कर्मकाण्ड एवं अनुष्ठान)

2nd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

**नोट :–** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

### खण्ड–क

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** 2×19=38

**नोट :–** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पञ्चांग क्या है इसका विस्तर पूर्वक परिचय देते हुए प्रयोजन को भी बताइए।

2. अग्निप्रज्वालन से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. गंडमूल क्या है ? इसका परिचय देते हुए शान्ति विधि का उल्लेख कीजिए।

4. यज्ञोपवीत संस्कार एवं विवाह संस्कार का विस्तृत विवेचन कीजिए।

5. गर्भाधान एवं पुंसवन संस्कार से क्या तात्पर्य है इसका विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

**अथवा**

कुण्ड निर्माण विधि का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

## खण्ड–ख

**लघु उत्तरीय प्रश्न** 4×8=32

**नोट :–** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भारतीय सभ्यता में संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. संस्कार से क्या तात्पर्य है अर्थ एवं परिभाषा लिखिए।

3. मुहूर्त विचार कैसे किया जाता है, उल्लेख कीजिए।

4. पञ्च-भू संस्कार विधि लिखिए।

**अथवा**

कुश कण्डिका का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. नामकरण संस्कार की विधि एवं महत्व को लिखिए।

6. नवग्रह शान्ति विधान से क्या अभिप्राय है संक्षिप्त रूप से विधि सहित उल्लेख कीजिए।

7. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कर्मकाण्ड की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

8. हवन विधि का साररूप से उल्लेख कीजिए।

**********